Shri S. M. Banerjee: My point of order is this. A pertinent question was put by Mr. Kapur Singh whether the compensation was made according to the market rate and we expected a straight reply from the hon. Minister; he should have replied 'yes' or 'no'. I submit that we have discussed in this House the Land Acquisition Bill, the most controversial Bill, where the Attorney-General was consulted and so on. Ultimately a decision was taken in the case of Arora *Vs.* Ram Rattan Gupta; that was the case in the Supreme Court and the Supreme Court also ruled. Is it open to the Minister to evade the main question and reply to some other questions?

Mr. Speaker: There is no point of order here.

Shri K. D. Malaviya.

Shri S. M. Banerjee: What is your ruling on this? He is evading the main question.

Mr. Speaker: He cannot evade it. That is all that I can say.

श्री के० दे० मालवीय: चूंकि ला का नाम कई दफे लिया गया और कहा गया कि जो रूलिंग पार्टी है उस पर यह मजबूरी हो जाती है कि वह ला पर ध्यान दिलाये, क्या यह वाकया नहीं है कि कानून बनाने वाला जो यह सदन है उसको ज्यादा चिन्ता होनी चाहिये उन कानूनों के बारे में जिनके कारण आज बड़ी ब्लैक मार्केटिंग हो रही है । इस पृष्ठ भूमि में मैं मंत्री महोदय से जानना भी चाहता हूं कि क्या वक्त नहीं आ गया है कि इन बढ़ते हुए दामों को देखते हुए, और सरकार को मुनाफ़ाखोरी का हक देते हुए कि मुनाफ़ाखोरी कुछ तो होनी चाहिये, जो चेन रिऐक्शन प्राइस राइज का हो रहा है, उसको रोकने के लिये सरकार स्टेप ले और कानून का मौलिक संशोधन करे ताकि आदमियों को सस्ते दामों पर सामान मिले ।

श्री मेहर चन्द खन्ना : यह जो रिऐक्शन माननीय सदस्य का है मैं उस को बड़ा अच्छा समझता हूं और जो प्रापर मिनिस्ट्री है उसका मैं यह सजेशन फार्वर्ड कर दूंगा ।

12.00 hrs.

SHORT NOTICE QUESTION

Cylinder Burst at Talwara (Beas Dam)

+

SNQ. 17. Shri Vishwa Nath Pandey:
Shri R. S. Tiwary:
Shri D. C. Sharma:
Shri Hem Raj:

Will the Minister of **Irrigation and Power** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that some persons were killed and many were injured on the spot when a cylinder burst at Talwara (Beas Dam, Punjab) on the 7th August, 1966;

(b) if so, the number of persons who were killed or injured; and

(c) the action taken by Government in the matter?

The Minister of Irrigation and Power (Shri Fakhruddin Ahmed): (a) and (b). There was an outbreak of fire on the 7th August, 1966 during the course of welding operations in one of the tunnels at Beas Dam. Three persons died as a result of suffocation due to smoke in the tunnel. No other persons was injured. It is reported that there was no case of a cylinder bursting.

(c) The Gentral Manager of the Project has constituted an Enquiry Committee of the Officers to go into the details of the accident and to report its findings. Also we are requesting Government of Punjab to investigate and report about the accident.

श्री विश्वनाथ पाण्डेय : जैसा कि समाचार पत्रों में प्रकाशित हुआ है, जब यह विस्फोट हुआ और टनेल के अन्तर्गत हुआ तब वहां पर पांच सौ कर्मचारी काम कर रहे थे । मैं जानना चाहता हूं कि इस टनेल के और सिलेंडर के विशेषज्ञ और टैकनिकल इंजीनियर

जो थे क्या उन्होंने उस स्थान की पहले से परीक्षा कर ली थी, और अगर कर ली थी तो उस स्थान पर इतने कर्मचारियों को जाने की इजाजत कैसे दी गई, यदि नहीं, तो इस सम्बन्ध में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ।

श्री फखरुद्दीन अहमद : उन्होंने जो सवाल पूछा है उसके बारे में मैंने इन्फोर्मेशन तो उनको दी, लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि जो फर्स्ट शिफ्ट वहां काम कर रहा था जब वह सुबह पांच बजे आया था तब उस को यह मालूम नहीं था कि वहां आग लग गई है, क्योंकि आस पास बहुत सी मशीनरी काम कर रही थीं जिनसे धुंआं निकलता है । जिस वक्त दूसरा शिफ्ट वहां गया उसने देखा कि जिस जगह वह काम करने गये हैं वहां इस कदर धुंआं है कि वह वहां नहीं रह सकते । उसी वक्त उन लोगों ने वापस आने की कोशिश की । 11 आदमी वापस आये जिन को सब को हास्पिटल पहुंचा दिया गया उनमें से तीन आदमी मरे बाकी सब अच्छे हो गये ।

श्री विश्वनाथ पाण्डेय : यह जो सिलेंडर फटने की घटना है, ऐसे सिलेन्डरों के सम्बन्ध में गत वर्ष भी वहां के कर्मचारियों ने अफसरों से शिकायत की थी कि यह कमजोर है और पता नहीं कब विस्फोट हो जायेगा और फट जायेगा । जानना चाहता हूं कि जो टैकनीकल इंजीनियर थे या उच्च अधिकारी थे उन्होंने इस के सिलसिले में क्या कार्रवाई की ।

श्री फखरुद्दीन अहमद : सिलेंडर तो फटा ही नहीं है वहां आग लगी हुई थी जिससे धुंएं का सफोकेशन हुआ । इसकी वजह से तीन आदमी मरे । हमने जो कहा है उसमें दो तरह की इन्क्वायरी हो रही हैं उनकी रिपोर्ट जब आयेंगी तब पूरे हालात मालूम पड़ेंगे ।

श्री रा० स० तिवारी : जब सिलेंडर फटने के मामले में गत वर्ष शिकायत हुई थी तो उस को उस वक्त क्यों टाल दिया गया । उनकी मरम्मत क्यों नहीं की गई ।

श्री फखरुद्दीन अहमद : इसमें मरम्मत का सवाल ही नहीं आता है ।

अध्यक्ष महोदय : सिलेंडर तो फटा ही नहीं है ।

Shri D. C. Sharma: Evidently, this unhappy accident is due to two reasons. In the first place, it is due to the negligence of the staff in not giving the warning in time. In the second place, it is due to the lack of supervision so far as the repair and maintenance in regard to their work is concerned. May I know what efforts Government are going to make in the future to see that both these defects which have been noticed not only now but from time to time are removed and that the workers do not lose their lives for nothing?

Shri Fakhruddin Ahmed: As I have already pointed out, this accident did not take place due to any defect; it took place because there was some welding going on at the tunnel as a result of which some of the timber caught fire. It was not a fire due to a conflagration, but slowly somke was coming out. Therefore, this was not due to any defect in any machinery. In any case, we are further making an inquiry and if any facts are found out, we shall see what further action can be taken.

श्री हेम राज : आनरेबल मिनिस्टर साहब ने फरमाया कि आग लगी थी तो क्या मैं यह जान सकता हूं कि वहां पर जब चार पांच जगहों पर काम हो रहा था तो जो आग बुझाने का इक्विपमेंट होता है वह वहां था या नहीं । अगर नहीं था तो तो वह कहां से से लाया गया और उसमें कितनी देरी लगी ।

श्री फखरुद्दीन अहमद : जिस वक्त यह मालूम हुआ कि आग लगी है और बहुत धुआं है उसी वक्त फौरन वहां आग बुझाने का सामान लाया गया और दो या तीन घंटों में आग बुझा दी गई ।